एकात्म भारत के लिए
सुचेन्द्र मिश्रा द्वारा प्रकाशित

# एकात्म भारत

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, पंचमी,
सोमवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

16 दिसंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

## आईआईटी-आईआईएम के हजारों छात्रों ने किया CAB का समर्थन

**नई दिल्ली**

नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 पर लगातार बढ़ते विरोध के बीच सरकार के लिए कुछ राहत की खबर है। आईआईटी-आईआईएम और लॉ यूनिवर्सिटीज के हजारों छात्रों ने पत्र लिखकर नागरिकता संशोधन विधेयक का समर्थन किया है। इन छात्रों का कहना है कि इस विधेयक से भारत के एक भी नागरिक के अधिकार का हनन नहीं होता है, इसलिए इस विधेयक का विरोध नहीं किया जाना चाहिए। छात्रों का कहना है कि विधेयक के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है और लोगों को विरोध करने से पहले विधेयक को एक बार पढ़ना चाहिए।

थिंक इंडिया संगठन के नेतृत्व में शनिवार से एक अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान छात्रों से नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 पर अपनी राय रखने को कहा गया। साथ ही एक फॉर्म भरवाकर उनसे समर्थन की मांग की गई। अब तक 1473 छात्रों ने इस कानून पर अपना समर्थन व्यक्त किया है। इनमें आईआईटी, आईआईएम और राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालयों के छात्र शामिल हैं। छात्रों में पूरे देश के हर हिस्से से छात्रों ने कानून को देशहित में बताया है। यह अभियान अभी भी जारी है और अनेक विश्वविद्यालयों के छात्र इसके समर्थन में सामने आ रहे हैं। नागरिकता संशोधन विधेयक 2019 पर केंद्र सरकार को घिरता देख आरएसएस और उसकी सहयोगी संस्थाएं समर्थन अभियान में जुट गई हैं। भाजपा ने कानून का समर्थन करने के लिए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम तय किया है।

# अब अयोध्या के रेलवे स्टेशन को भी राम मंदिर की तरह बनाने की तैयारी

**अयोध्या**

अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट से फैसला आने के बाद वहां भव्य राम मंदिर बनाने की तैयारी है। वहीं अब राम मंदिर की झलक अयोध्या शहर के रेलवे स्टेशन पर भी दिखेगी। यानी अब अयोध्या रेलवे स्टेश को राम मंदिर के रंग रूप में ढाला जाएगा। ऐसे में ट्रेनों से आने वाले श्रद्धालुओं को स्टेशन पर ही प्रस्तावित राम मंदिर की झलक देखने को मिलेगी। इसके लिए रेलवे ने राम मंदिर के प्रस्तावित मॉडल के डिजाइन को तय किया है।

रेलवे के सूत्रों के अनुसार, अयोध्या रेलवे स्टेशन का नवीकरण 2018 में ही करने की योजना थी, लेकिन राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद मामले की वजह से इसे रोक दिया गया था। हालांकि, राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के फैसले दिए जाने के बाद यह परियोजना अब जल्द ही लागू होगी और दिवाली 2020 तक पूरी होगी।

खंभों और गुंबदों के साथ रेलवे स्टेशन को भव्य मंदिर के रूप में बनाया जाएगा, जो शहर की संस्कृति को बताएगा। स्टेशन की दीवारों में शिलाओं की प्रतिकृति वाली ईंटें लगाई जाएंगी। स्टेशन के सौंदर्यीकरण के संबंध में उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के एक दस्तावेज के अनुसार 'धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण' स्टेशन का पुनर्विकास तेजी से किया जाएगा।

स्टेशन को मंदिर का स्वरूप देने के अलावा यात्री सुविधाओं और सेवाओं को भी अपग्रेड किया जाएगा। छह मीटर चौड़े दो फुट-ओवर ब्रिज यात्रियों के आवागमन के लिए तीनों प्लेटफार्मों को जोड़ेंगे। नया

स्टेशन एलईडी लाइटों से जगमगाएगा। रेलवे अधिकारियों के लिए आवास के साथ-साथ इसके तीन प्लेटफार्मों पर लगभग 150 स्टील बेंचें, वातानुकूलित (एसी) वेटिंग रूम और डीलक्स और मॉडर्न एग्जीक्यूटिव लाउंज और 24 पेयजल कियोस्क होंगे।

लखनऊ के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (एनआर) जगदीश शुक्ला ने कहा, '80 करोड़ रुपये की लागत से रेलवे स्टेशन का मंदिर की तर्ज पर सौंदर्यीकरण किया जाएगा। रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस को इस परियोजना पर काम करने के लिए कहा गया है, जो पहले से ही चल रहा है।' अंतरराष्ट्रीय स्तर के रेलवे स्टेशन को एक और बड़ी सुविधा मिलेगी। यहां एक हजार लोगों के रुकने के लिए वेटिंग हाल बनेगा। वेटिंग हाल में यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं मिलेगी। इसके लिए सांसद लल्लू सिंह ने रेलमंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की थी।

# वाराणसी में संघ का शाखा कुंभ, 110 जगहों से स्वयंसेवक पहुंचे

### नारी सुरक्षा का संदेश और संकल्प के साथ समाज के साथ जुड़ाव और मिलन का संदेश दिया

**वाराणसी**

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के मैदान में रविवार सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी महानगर उत्तर भाग की ओर से शाखा कुंभ का आयोजन किया गया था। इसमें काशी के 110 स्थानों से संघ कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में पहुंचे थे। यहां सभी ने योग, खेल, ध्यान शिविर में हिसा लिया।

काशी उत्तर भाग के प्रचारक वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि एक घण्टे के कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना संचार करना मकसद था। शिवपुर,महमूरगंज, दशाश्मेध, सोनारपुरा, वरुणा पार से युवा बुजुर्ग सभी शामिल हुए। उन्होंने बताया कि स्वस्थ मन के स्वस्थ राष्ट्र का विकास कैसे निर्माण हो इसका प्रयास किया

गया। इसके अलावा सूर्य नमस्कार मनुष्य के लिए क्यों आवश्यक है, इसको भी प्रशिक्षुकों ने करके बताया।

इस आयोजन का उद्देश्य यह बताना था कि संघ शाखा निरंतर शक्ति आराधना हैं, राष्ट्र की नव चेतना के जागरण की साधना है। इसके माध्यम से संघ की गतिविधियों से खासकर युवाओं को जोड़ने के अभियान का शुरू किया गया है। इसे नए प्रयोग के रूप में देखा जा रहा है।

इसमें बीएचयू के दो हजार शिक्षक और छात्रों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में सभी शाखाओं ने अपने ध्वज के साथ एक घंटे का नियमित दैनिक कार्यक्रम किया। इसमें नारी सुरक्षा का संदेश और संकल्प के साथ समाज के साथ जुड़ाव और मिलन का संदेश दिया गया। दक्षिण के शाखा कुंभ को क्षेत्र प्रचारक अनिल जी व उत्तरी के स्वयंसेवकों को प्रांत प्रचारक रमेश जी संबोधित किया।